अंदर के पेजों पर पढ़ें
2 लापरवाही के बोल...
6 रोहित शर्मा इंदौर टेस्ट में बदल देंगे अपना जोड़ीदार, प्लेइंग...
7 मदिरा को हतोत्साहित करने, लिये महत्वपूर्ण निर्णय...

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

साप्ताहिक अख़बार

संपादक-गोपाल गावंडे

वर्ष - 10 अंक-07 इन्दौर , प्रति मंगलवार, 21 फरवरी से 27 फरवरी 2023 पृष्ठ-8 मूल्य -2

80 साल की मां को मक्का ले जाना चाहती हैं महबूबा मुफ्ती, विदेश मंत्री जयशंकर से मांगी मदद

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने अपने पासपोर्ट के मामले में विदेश मंत्री एस जयशंकर को पत्र लिखकर मदद मांगी है। उन्होंने कहा कि वह अपनी 80 वर्षीय मां को मक्का की तीर्थ यात्रा पर ले जाने के लिए पिछले तीन सालों से पासपोर्ट का इंतेजार कर रही हैं। महबूबा ने विदेश मंत्री को लिखे एक पत्र में कहा कि उनके पासपोर्ट का नवीनीकरण लंबित है क्योंकि जम्मू कश्मीर सीआईडी ने अपनी रिपोर्ट में यह उल्लेख किया था कि उन्हें यात्रा दस्तावेज जारी करना राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में नहीं होगा।

पीएम मोदी ने युद्ध रुकवा भारतीय नागरिकों को किया था रेस्क्यू, दुनिया में ऐसा कोई नही- जेपी नड्डा

जेपी नड्डा ने कहा कि पीएम मोदी ने पुतिन और ज़ेलेंस्की से बात की और 22,500 भारतीय छात्र सुरक्षित भारत लौट आए।

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा तीन दिवसीय कर्नाटक दौरे पर है। उडुपी जिले के ब्यंदूर में एक रैली को संबोधित करते हुए जेपी नड्डा ने पूर्व की सिद्धारमैया सरकार और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। इसके साथ ही जेपी नड्डा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार की जमकर तारीफ की। उन्होंने पूछा कि दुनिया में किसी प्रधानमंत्री ने युद्ध रुकवाकर भारतीय नागरिकों का रेस्क्यू किया है।

केंद्र सरकार और पीएम मोदी की तारीफ करते हुए जेपी नड्डा ने कहा, क्या दुनिया में कोई ऐसा पीएम है, जिसने युद्ध रोका हो और अपने देश के नागरिकों को वहां से निकाला हो? हम गर्व से कह सकते हैं कि पीएम मोदी ने पुतिन और ज़ेलेंस्की से बात की और 22,500 भारतीय छात्र सुरक्षित भारत लौट आए।

भारत की कोविड से लड़ाई का जिक्र करते हुए जेपी नड्डा ने कहा, आप सभी जो बिडेन को टेलीविजन पर देखते हैं और वह अभी भी एक मास्क पहनते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि अमेरिका में केवल 76% टीकाकरण हुआ है। लेकिन यहां मैं देख सकता हूं कि किसी ने मास्क नहीं पहना है और सभी एक-दूसरे के करीब बैठे हैं, क्योंकि पीएम ने हमें 220 करोड़ का टीका दिया।

जेपी नड्डा ने कहा कि सिद्धारमैया सरकार ने 1600 पीएफआई कार्यकर्ताओं के खिलाफ 175 मामले वापस ले लिए थे और यह कि विभिन्न समुदायों के सदस्यों के बीच कलह को दूर करने के लिए मामले वापस ले लिए गए थे। उन्होंने कहा, कांग्रेस समाज में शांति नहीं चाहती है। बंटवारा चाहती है। वोट बैंक की राजनीति है। सुविधा की राजनीति है। कर्नाटक में टीपू सुल्तान पर राजनीति हो रही है।

जेपी नड्डा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी का शासन चलाने या देश और कर्नाटक को आगे

ले जाने की ओर झुकाव नहीं है। उन्होंने कहा, अगर किसी ने राज्य में शांति भंग करने की साजिश रची है, तो मेरे आरोप सिद्धारमैया के खिलाफ हैं, जो इसके लिए पूरी तरह से जिम्मेदार हैं।

यह दावा करते हुए कि कांग्रेस के शासन के दौरान कर्नाटक में लगातार बिजली कटौती होती थी, जेपी नड्डा ने कहा कि उस समय एकमात्र व्यक्ति जिसके पास सत्ता थी, वह सिद्धारमैया थे। उन्होंने कहा,आपने उनकी शक्ति काट दी और ऐसा करना (आगामी चुनाव में) जारी रखना चाहिए।

‘नाम-सिंबल’ के बाद उद्धव गुट को एक और बड़ा झटका, पार्टी का ऑफिस भी शिंदे गुट को मिला

महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे गुट को विधानसभा में शिवसेना का ऑफिस मिल गया है।

चुनाव आयोग के फैसले से उद्धव ठाकरे (स्त्रस्त्रद्धड्डु1 ञ्चद्धड्डुष्ध्रद्गह्म्ड्डु4) गुट को बड़ा झटका लगा है। पहले उद्धव गुट से पार्टी का नाम और सिंबल छिना, इसके बाद पार्टी के आधिकारिक ट्विटर हैंडल और यूट्यूब से ब्लू टिक हट गया। अब उद्धव ठाकरे को एक और झटका लगा है। विधानसभा में मौजूद शिवसेना के ऑफिस को भी एकनाथ शिंदे गुट को दे दिया गया है। एकनाथ शिंदे गुट के समर्थक विधायकों ने स्पीकर राहुल नार्वेकर से मुलाकात कर इसकी मांग की थी।

सुप्रीम कोर्ट से भी लगा झटका

सुप्रीम कोर्ट से भी उद्धव गुट को झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट में उद्धव ठाकरे गुट ने कहा इस मामले में तत्काल सुनवाई की मांग की थी। हालांकि सीजेआई ने कहा कि इस मामले में तत्काल सुनवाई नहीं की जा सकती है। याचिकाकर्ताओं को तय प्रक्रिया के तहत आना चाहिए। सीजेआई ने कहा कि यह मामला सुनवाई के लिए मेंशन नहीं है।

मेवात में एक साल में 5 लाख सिम कार्ड ब्लॉक, साइबर अपराधियों पर बड़ी कार्रवाई

हरियाणा का मेवात साइबर क्राइम अपराधियों का गढ़ बनता जा रहा है। यहां साइबर क्राइम के लगातार मामले सामने आ रहे हैं। पिछले साल जनवरी से दिसंबर के बीच ही पुलिस ने 66,784 शिकायतों पर कार्रवाई की थी। इसमें लोगों को 301.48 करोड़ रुपये की कथित रूप से ठगी की गई थी। साइबर क्राइम सेल ने कार्रवाई करते हुए इस इलाके के करीब 5 सिम को ब्लॉक कराया है। इन सिम कार्ड का उपयोग इलाके के 40 गांव में किया जा रहा था। पुलिस अब तक ऐसे मामलों में 402 अपराधियों की पहचान कर चुकी है।

साइबर सेल ने की कार्रवाई

साइबर सेल अधिकारियों के मुताबिक इस साल साइबर क्राइम के 2,165 मामले दर्ज किए हैं। इनमें 1,065 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इनसे 46.91 करोड़ रुपये की वसूली की है या संदिग्ध लेनदेन को रोक दिया है। अधिकारियों के ने कहा कि फर्जी सिम कार्ड की पहचान दूरसंचार विभाग द्वारा विकसित एक टूल, टेलीकॉम सिम सब्सक्राइबर वेरिफिकेशन के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और फेशियल रिकॉग्निशन पावर्ड सॉल्यूशन की मदद से की जाती है। अधिकारियों ने बताया कि हमने दूसरे राज्यों से जारी किए गए 4,96,562 मोबाइल नंबरों की पहचान करने के लिए मेवात में सेल टावर डंप एनालिसिस का इस्तेमाल किया। हमने 15,672 और नंबरों की पहचान की है और 1,959 नंबरों को ब्लॉक किया है।

राहत-बचाव अभियान पूरा कर तुर्की से स्वदेश लौटी भारतीय सेना की मेडिकल टीम, भूकंप पीड़ितों का जीता दिल

हिंडन वायु सेना स्टेशन,गाजियाबाद स्थित 60 पारा फील्ड अस्पताल की चिकित्सा अधिकारी मेजर बीना तिवारी ने कहा कि हम ऑपरेशन दोस्त पूरा कर भारत वापस आए हैं। तुर्की में अस्पताल स्थापित करने के 1-2 घंटे में हमने मरीजों का इलाज करना शुरू कर दिया। वहां हमारी मदद करने के लिए तुर्की सरकार का हम धन्यवाद करते हैं।

तुर्की और सीरिया में भूकंप पीड़ितों के लिए राहत-बचाव अभियान में मदद करने गई भारतीय टीम करीब 13 दिनों बाद स्वदेश वापस लौट आई है। भारतीय सेना की मेडिकल टीम और एनडीआरएफ की टीम ने ऑपरेशन दोस्त के तहत स्थानीय भूकंप पीड़ितों के साथ ही दुनिया भर का दिल जीता है। विदेश मंत्रालय ने ट्वीट करके सेना के अधिकारियों और जवानों के साहसिक मिशन की प्रशंसा की है। तुर्की और सीरिया को दुनिया भर में सबसे पहले मदद मुहैया कराने को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कदम से भारत की साख बढ़ी है।

सेना की मेडिकल टीम ने तुर्की सरकार को कहा- थैंक्स

हिंडन वायु सेना स्टेशन, गाजियाबाद स्थित 60 पैरा फील्ड अस्पताल की चिकित्सा अधिकारी मेजर बीना तिवारी ने कहा कि हम ऑपरेशन दोस्त पूरा कर भारत वापस आए हैं। तुर्की में अस्पताल स्थापित करने के 1-2 घंटे में हमने मरीजों का इलाज करना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि वहां हमारी मदद करने के लिए हम तुर्की सरकार का

धन्यवाद करते हैं।

सम्पादकीय

लापरवाही के बोल

शीर्ष पदों पर बैठे लोगों के लिए गोपनीयता एक आवश्यक शर्त होती है और अंदरखाने की चीजों की इस तरह चर्चा नहीं की जा सकती।

चेतन शर्मा ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) के मुख्य चयनकर्ता के पद से इस्तीफा दे दिया है। फिलहाल उनके सामने इससे बेहतर कोई रास्ता भी नहीं था। क्रिकेट की भाषा में कहें तो उन्हें 'हिट विकेट' होकर जाना पड़ा, जिसमें बल्लेबाज खुद ही स्टंप पर बल्ला मारकर मैदान से लौट जाता है। यह दूसरी बार है जब मुख्य चयनकर्ता के रूप में चेतन अपनी पारी पूरी नहीं कर पाए।

पहली बार अक्तूबर, 2020 में वे मुख्य चयनकर्ता बने, लेकिन नवंबर 2022 में टी20 विश्वकप में मिली हार के बाद बीसीसीआइ ने शर्मा सहित पूरी चयन समिति को बर्खास्त कर दिया था। हालांकि उन्होंने दोबारा आवेदन किया और जनवरी, 2022 में फिर चयन समिति के अध्यक्ष बने, लेकिन इस बार महज बयालीस दिन में ही उन्हें जाना पड़ा है।

दरअसल, एक 'स्टिंग आपरेशन' में जिस तरह से उन्हें खिलाड़ियों के बारे में, सौरभ गांगुली और पूर्व कप्तान विराट कोहली के बीच अहं के टकराव और खिलाड़ियों द्वारा सुई लेने जैसी तमाम बातें करते हुए दिखाया गया, उसके बाद उनका पद पर बने रहना वैसे भी उचित नहीं था। एक झटके में उन्होंने खिलाड़ियों, टीम प्रबंधन और बोर्ड का विश्वास खो दिया।

यों चेतन शर्मा के पास ग्यारह साल लंबे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सफर का अनुभव रहा है। इसलिए उम्मीद की जाती है कि वे टीम, उसके प्रबंधन से जुड़ी बारीकियों और संवेदनशीलता की समझ रखने के मामले में बेहतर साबित होंगे। उनके अनुभवों और काबिलियत के मद्देनजर ही उन्हें भारतीय टीम के लिए इतने महत्त्वपूर्ण पद की जिम्मेदारी सौंपी गई होगी।

लेकिन यह समझना मुश्किल है कि टीम को बेहतर बनाने और उसके प्रबंधन में अपनी भूमिका का निर्वहन करने के बजाय उसकी कमजोरियों को लेकर वे इस हद तक लापरवाही से भरा रुख कैसे अपना सकते हैं। जो बातें उनके हवाले से सामने आई हैं, बिना किसी मजबूत आधार के किसी खिलाड़ी के बारे में कहीं भी ऐसा नहीं बोला जाना चाहिए।

अगर उनके भीतर कोई सवाल था भी तो उसके लिए बाकायदा एक तंत्र बना हुआ है और उसके दायरे में वे इस मसले पर अपनी बात रख सकते थे, अपनी शंकाओं का हल कर सकते थे। लेकिन उनकी महज एक लापरवाही ने उनकी विश्वसनीयता को कठघरे में खड़ा कर दिया। अब जिन हालात में उनकी विदाई हुई, है, उसे चेतन शायद नहीं भूल पाएंगे।

यह प्रकरण इस बात की ओर भी इशारा करता है कि शीर्ष पदों पर बैठे लोगों को बातचीत में कितना सावधान रहने की आवश्यकता है, क्योंकि मामूली असावधानी खिलाड़ियों, टीम प्रबंधन और बोर्ड के पदाधिकारियों को असहज स्थिति में डाल सकती है। माना कि वे 'स्टिंग आपरेशन' के शिकार हुए, लेकिन यह कहना होगा कि उन्हें खिलाड़ियों और बोर्ड से जुड़ी चीजों की चर्चा से बचना चाहिए था।

शीर्ष पदों पर बैठे लोगों के लिए गोपनीयता एक आवश्यक शर्त होती है और अंदरखाने की चीजों की इस तरह चर्चा नहीं की जा सकती। अव्वल तो आरोपमूलक बातचीत इसलिए भी उचित नहीं होती है कि वह महज किसी चर्चा का हिस्सा हो सकती है, झूठी भी हो सकती है और उसका साबित होना अभी बाकी होता है।

फिर भी अगर बड़ी जिम्मेदारी वाले पद पर होते हुए किसी व्यक्ति के भीतर कोई सवाल या शंका है, तो उसे हल्की-फुल्की बातचीत का हिस्सा बनाना कई खिलाड़ियों के भविष्य पर भी बुरा असर डाल सकता है। चेतन शर्मा से जिस तरह की चूक हुई है, उसका नतीजा सामने है। अब उम्मीद है कि यह मामला पूरी टीम, प्रबंधन और

संपादक
गोपाल गावंडे

संयम, नियम और नौकरशाही

ह्यलोक कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में लोक प्रशासन की अहम भूमिका स्वतंत्रता प्राप्ति के साथ ही निरूपित की गई है।

बुनियादी सवाल यह है कि प्रशासन के शीर्ष अधिकारियों से उनके अधीनस्थ अधिकारी और कर्मचारी शालीनता और सद्भाव की अपेक्षा करते हैं और जब उन्हें विपरीत आचरण झेलना पड़ेगा तो आखिर उस दायित्व पुंज का भविष्य क्या होगा, जिसमें दोनों को मिलजुल कर लक्ष्य को पाना है।

लोक कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में लोक प्रशासन की गहन भूमिका स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से निरूपित की गई है। इस निमित्त राष्ट्रीय स्तर पर अखिल भारतीय सेवाओं के साथ-साथ राजस्व, तकनीकी और अभियंत्रण सेवाओं का गठन कर संघ लोक सेवा आयोग को महती जिम्मेदारी दी गई कि वह योग्य अधिकारियों का चयन करे।

इसी प्रकार देश के हर राज्य में भी लोक सेवा आयोग का गठन करके उन्हें विभिन्न श्रेणी के राजपत्रित अधिकारियों के चयन के लिए प्राधिकृत किया गया। हर राज्य के जिले में इसके कप्तान के रूप में जिला कलेक्टर हैं, जिनके मातहत सभी विभागों के प्रशासनिक और गैर-प्रशासनिक सेवाओं के पदाधिकारियों की एक वृहद शृंखला निर्धारित है।

प्रांत के मुख्यालय में सरकार के सबसे उच्च स्तरीय संगठन सचिवालय को राज्य के सर्वांगीण विकास और जन कल्याण सहित विधि व्यवस्था के कार्यों के लिए योजना निर्माण और इसके कुशल कार्यान्वयन की समीक्षा-सह-अनुश्रवण की जिम्मेदारी दी गई है, जहां अपने क्षेत्रीय कर्तव्यों के वृहद अनुभव से लैस भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी पदसोपानीय क्रम में विभागाध्यक्ष घोषित हैं।

ये अधिकारी अपनी टीम के साथ राज्य सरकार के द्वारा संचालित परियोजनाओं के लिए जिम्मेवार माने जाते हैं। किसी भी सरकार के कार्यों एवं दायित्वों के परिचालन के लिए निर्धारित की गई संरचनाओं और नियमों को समग्र रूप से हम नौकरशाही के नाम से भी जानते हैं। नौकरशाही की प्रमुख विशेषताओं में कर्मचारियों और अधिकारियों के बीच अच्छी प्रकार से परिभाषित प्रशासनिक कार्यों का विभाजन, कर्मियों की भर्ती और उनके करिअर की सुव्यवस्थित और तर्कसंगत तंत्र सह अधिकारियों में पदानुक्रम, शक्ति, अधिकार, कर्त्तव्य आदि का समुचित वितरण किया गया है।

नौकरशाही कार्मिकों का वह समूह है, जिसपर प्रशासन का केंद्र आधारित है। प्रत्येक देश का शासन और प्रशासन इसी के इर्दगिर्द घूमता है। इसे जहां अपने अधिक सकारात्मक कार्यों में कुशलतापूर्वक दायित्व निर्वहन में निपुण माना जाता है, वहीं इसके कुछ हिस्से नकारात्मक अर्थों में लालफीताशाही, भ्रष्टाचार, पक्षपात, अहंकार और आभिजात्य मनर्स्थिति के लिए भी मशहूर हैं। इसका नैतिक असर प्रशासनिक क्षितिज के साथ-साथ जनमानस में भी एक असंतोष की लंबी रेखा खींच देता है, जिससे सकारात्मक कार्य करने वाले नौकरशाह के मानस पटल को भी निराशा की तरंग से अप्रत्यक्ष तौर पर भर देने में कमी नहीं करता।

लोक प्रशासन की स्थापना के पूर्व कालखंड में समाज में मानव प्रशासन की एक गुणात्मक विधा व्याप्त थी, जहां कोई उपाधि या डिग्री के बगैर जीवन कार्यों के संचालन के समस्त उपबंध मौजूद थे। परंपरागत मूल्यों के संवाहक और पालक हमारे पूर्वज हुआ करते थे, जिनके कुशल सह कठोर अनुशासन व्यवस्था से समाज में शांति, सद्भाव और समन्वय की शीतल त्रिवेणी प्रवाहित हुआ करती थी। आज हमारे कदम एक ओर चांद और मंगल ग्रहों की यात्रा कर चुकी है तो विज्ञान की प्रगति ने अनेक द्वार भी खोल दिए हैं। बीते कुछ समय में अनेक राज्यों से ऐसी घटनाएं प्रकाश में आई हैं जो मानवीय चेतना को झकझोर कर रख देती हैं। बिहार राज्य के शीर्ष प्रशासनिक हल्के से दो ऐसे वाकए सुनने को मिले, जिससे बौद्धिक वर्ग हैरान तो हुआ ही, साथ ही पूरे प्रदेश में इसे असहज दृष्टि से देखा गया। राज्य मुख्यालय के अखिल भारतीय स्तर के दो पदाधिकारियों ने अपने अधीनस्थ अधिकारियों के साथ उन्हें अपमानित करने की कोशिश की। एक अधिकारी ने तो अपशब्दों तक का इस्तेमाल किया। इन दो घटनाओं ने पूरे प्रशासनिक, सामाजिक और राजनीतिक महकमे को आंदोलित कर दिया। एक मामला पटना उच्च न्यायालय तक पहुंच गया।

बुनियादी सवाल यह है कि प्रशासन के शीर्ष अधिकारियों से उनके अधीनस्थ अधिकारी और कर्मचारी शालीनता और सद्भाव की अपेक्षा करते हैं और जब उन्हें विपरीत आचरण झेलना पड़ेगा तो आखिर उस दायित्व पुंज का भविष्य क्या होगा, जिसमें दोनों को मिलजुल कर लक्ष्य को पाना है। सामाजिक ताने-बाने के सूत्र कहते हैं कि शब्द ब्रह्म स्वरूप हैं। किसी चूक से घायल जिह्वा के घाव भर तो जाया करते हैं, लेकिन उसी जिह्वा से निकले अपशब्द से घायल व्यक्ति के घाव कभी नहीं भरते। शब्दों की शक्ति अगाध और असीम है जो समाज में शांति भी स्थापित करती है और अशांति का दौर भी लाती हैं। हर सरकारी कर्मचारी और अधिकारी के लिए सेवा आचरण अनुशासनिक नियमावली बनी हुई है, जिसकी परिधि से वे सभी बंधे हुए हैं। किसी भी कर्मचारी या अधिकारी जो अपने कर्तव्य पालन में शिथिल या अकर्मण्य है, उसके विरुद्ध सेवा संहिता के विभिन्न धाराओं के अनुसार चरणबद्ध ढंग से कई कारवाई वर्णित हैं।

इस प्रकरण में उनके विरुद्ध लघु और वृहद दंड का प्रावधान भी निरूपित है। प्रत्येक शीर्ष अधिकारी का यह कर्तव्य है कि वह टीम के नेतृत्वकर्ता की हैसियत से अपने अधीनस्थों से कुशल और सौम्यता के साथ पेश आए। जब कोई अधिकारी या कर्मचारी सरकारी नियमों के विरुद्ध आचरण अपनाता है तो उससे स्पष्टीकरण पूछते हुए विभागीय कारवाई की जा सकती है। उक्त कारवाई में उसकी प्रोन्नति बाधित करना, वार्षिक वेतनवृद्धि रोकना और सेवा से मुक्त करने जैसे कठोर नियम बने हुए हैं। प्रशासन पदसोपान के नियंत्रण पदाधिकारियों को जब अपने अधिकार क्षेत्र में इतनी बड़ी शक्ति प्राप्त है तो उन्हें अपशब्दों के प्रयोग से बचना चाहिए।1980 के दशक में शीर्ष अधिकारियों में से इक्का-दुक्का ही शालीनता की सीमा पार करते थे, लेकिन तुरंत वे इसके लिए अधीनस्थ से खेद प्रकट कर मामले को आगे बढ़ने से रोक लेते थे। एक संदर्भ यह है कि 1977 में जब कर्पूरी ठाकुर पहली बार बिहार के मुख्यमंत्री बने थे तो उन्होंने अपनी मंत्रिमंडल की प्रथम बैठक में उपस्थित अपने सभी मंत्रियों से संबंधित विभाग के प्रधान अधिकारियों के साथ अत्यंत शालीनता से व्यवहार करने का निर्देश दिया था। उनका यह निर्देश राज्य प्रशासन के गलियारे में सात्विक और प्रशंसनीय चर्चा का विषय बना था। कालांतर में यह संदेश प्रशासनिक क्षेत्रों में कारगर हुआ भी, लेकिन बाद के दौर में कुछ बड़े अधिकारियों ने अपने रोब से प्रशासनिक परिस्थिति में प्रतिकूलता का प्रवेश करा दिया। राम मनोहर लोहिया ने कहा था कि लोकतंत्र में उच्च ओहदे पर बैठे अधिकारियों को संयत भाषा का इस्तेमाल करते हुए अशिष्टता से बचना चाहिए, क्योंकि वे जहां हैं, जनमानस बड़ी बारीकी से उनकी प्रशासनिक गतिविधियों पर अपनी पैनी नजर रखे हुए है। लोहिया ने चिंतित मन से यह भी कहा था कि कुछ उच्च स्तरीय नौकरशाही अपना काम जिम्मेदारी और ईमानदारी के साथ नहीं करके हजारों लोगों का रोजाना मनोबल तोड़ती है।

यों बिहार ही नहीं, बल्कि देश के करीब सभी राज्यों में कुछ नौकरशाहों की ऐसी मानसिकता से साफ पता चलता है कि उनके रवैए में सुधार की जरूरत है। ऐसी श्रेणी के अधिकारी को अपनी पूरी सेवा में विवादों में घिरा रहना, एक जगह ठीक से नहीं टिकना सरकार के लिए सिरदर्द तो है ही, साथ ही उनका आचरण प्रशासनिक परिधि में चिंताजनक हालात उत्पन्न कर रहा है। जरूरत इस बात की है कि असंयमित भाषा से ग्रस्त शीर्ष अधिकारियों के विरुद्ध सेवासम्मत कार्रवाई हो। केंद्रीय कार्मिक एवं प्रशिक्षण मंत्रालय को भी अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों के प्रशिक्षण प्रकल्पों पर भी संशोधन करने पर विचार करना चाहिए, अन्यथा प्रशासनिक अराजकता के आगोश में एक दिन पूरे तंत्र के आ जाने का खतरा बना रहेगा।

गुमटी से रुपए चुराते पकड़ाया

इंदौर। एक गुमटी का ताला तोडक़र बदमाश गल्ले में रखे रुपए चुरा रहा था, जो रंगेहाथों पकड़ा गया। लोगों ने उसे पीटा और पुलिस के हवाले कर दिया। राऊ पुलिस के अनुसार प्रकाश पिता रामचन्द्र राठौड निवासी न्यूयार्क सिटी राजेन्द्र नगर की रिपोर्ट पर आनंद पिता रमेश निवासी झुलेलाल नगर राऊ के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस को प्रकाश ने बताया कि गोल चौराहा बायपास पर मेरी गुमटी है। मेरी गुमटी के पड़ोस में बाबा श्याम रेस्टोरेंट के आनंद चढ़ार का कल रात करीब 10.30 बजे फोन आया। उन्होंने बताया कि तुम्हारी गुमटी मे कोई व्यक्ति घुसा है तो में तुरन्त अपनी गुमटी पर आया। गुमटी पर लगे सीसीटीवी केमरे लगे जो मेरे मोबाईल से कनेक्ट हैं। मोबाईल में देखा तो एक व्यक्ति अन्दर दिखा तो पड़ोसी को साथ लेकर अपनी गुमटी का शटर का ताला खोला जो एक व्यक्ति मेरे गल्ले मे से रुपये निकाल रहा था। मुझे देखकर वह भागने का प्रयास कर लिया। इस दौरान आसपास के लोग भी आ गए। सभी मिलकर उसे पकड़ लिया। पकड़ाए आरोपी से पुलिस कड़ी पूछताछ कर अन्य वारदातों का पता लगा रही है।

पानी भरने को लेकर विवाद

इंदौर। मल्हारगंज थाना क्षेत्र के कंडिलपुरा में पानी की टंकी भरने को लेकर विवाद हो गया, जिसमें एक महिला के साथ बाप-बेटी ने मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस के अनुसार कंडिलपुरा में रहने वाली विमलेस पिता बहादुरसिंह जाटव की रिपोर्ट पर यहीं रहने वाले दिनेश यादव और उसकी बेटी प्रिया यादव पर मारपीट की धाराओं में केस दर्ज किया है। महिला ने पुलिस को बताया कि कल मैं अपनी पानी की टंकी भरना चाह रही थी तो दिनेश यादव नें पानी भरने से मना कर दिया तो मैंने बोला पानी क्यों भरने दोगे इसी बात को लेकर दिनेश यादव ने गालियां दी जो मुझे सुनने में बुरी लगी। तभी दिनेश यादव की लडक़ी प्रिया यादव भी उसी समय छत पर आ गई और दोनो नें मुझे लात घुसो से मार पीट की, जिससे मेंरे चेहरे व दाहिने हाथ व सिने में चोट लगी है। दिनेश बोला कि रोज रोज पानी भरने की बात करती है आईन्दा पानी भरने कि कोशिश की तो तुझे जान से खत्म कर देंगे।

पुराने विवाद में फिर भिड़े

इंदौर। छोटी ग्वालटोली इलाके में बस स्टैंड के समीप पुराने विवाद में फिर से दो पक्ष भिड़ लिए और इनके बीच मारपीट हो गई। पुलिस ने एक पक्ष के राहुल केवट पिता शेरु केवट निवासी गरीब नवाज कालोनी छोटा बागड़दा एरोड्रम की रिपोर्ट पर गोलू व उसके साथी के खिलाफ केस दर्ज किया है, वहीं दूसरे पक्ष के गोलू पिता तोताराम निवासी वार्ड नं. 4 खलघाट धामनोद जिला धार की रिपोर्ट पर बंटी, मनीष और अन्य के खिलाफ मारपीट की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया। दोनों पक्षों के बीच पुराना विवाद चल रहा है। कल दोनों पक्षों में फिर से विवाद हो गया और दोनों पक्षों के लोगों ने एक-दूसरे के साथ मारपीट की।

मिलने बुलाकर की अश्लील हरकत

इंदौर। एक युवती को उसके परिचित ने डरा-धमकाकर मिलने के लिए बुलाया और जब वह उसके पास पहुंची तो विवाद करते हुए पहले तो उसका हाथ पकड़ लिया, फिर अश्लील हरकत की। युवती ने शोर मचाया तो आरोपी धमकाते हुए भाग निकला। मामला छत्रीपुरा थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने बताया कि 20 साल की युवती की रिपोर्ट पर ग्रीन पार्क कालोनी में रहने वाले सोहेल पिता नवाब खान के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि सोहेल से उसकी बातचीत थी। किसी कारण से बात बंद कर दी तो वह उसे परेशान करने लगा। कल शाम उसने डरा धमकाकर महू नाका मिलने बुलाया। मैं यहां पर पहुंची तो विवाद करने लगा और बुरी नीयत से हाथ पकड़ लिया। छुड़ाने की कोशिश की तो अश्लील हरकत करने लगा। विरोध करने पर छोटी जाति कि बोल कर अपमानित किया व जान से मारने की धमकी दी। शोर मचाया तो भाग निकला। मामले में पुलिस केस दर्ज कर आरोपी की तलाश कर रही है।

सौतेला बेटी को भगा ले गया

इंदौर। बाणगंगा थाना अंतर्गत शिव कंठ नगर में रहने वाली महिला ने पुलिस को बताया कि वह दूसरे पति से विवाद के चलते अपनी बेटी के साथ अलग रह रही थी तभी दूसरा पति आरोपी शंकर लाल निवासी आगर मालवा उसकी 15 साल की नाबालिग बेटी को बहला-फुसलाकर भगा कर ले गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

5 लाख की ड्रग्स के साथ पकड़ाया तस्कर

इंदौर । क्राइम ब्रांच और कनाडिया पुलिस ने संयुक्त रूप से घेराबंदी का तस्कर को गिरफ्तार कर 40 ग्राम एमडी ड्रग्स 5 लाख रुपए कीमत की बरामद करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस कमिश्नर हरिनारायण चारी मिश्र के निर्देश पर शहर में अवैध रूप से मादक पदार्थ बेचने और खरीदने वालों के खिलाफ ऑपरेशन प्रहार चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में यह कार्रवाई की गई। क्राइम ब्रांच को मुखबिर से सूचना मिली कि कनाडिया थाना क्षेत्र में एक युवक एक्टिवा पर सवार होकर मादक पदार्थ सप्लाई करने आने वाला है। इस पर क्राइम ब्रांच और कनाडिया पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए एक्टिवा सवार युवक को पकड़ा और पूछताछ करने पर उसने अपना नाम शोएब कुरैशी निवासी शाहजहांपुर बताया । तलाशी लेने पर इसके पास से 40 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद की है जिसकी अंतरराष्ट्रीय कीमत 5 लाख रुपए है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है कि वहां ड्रग्स कहां से लाया था और किसी देने जा रहा था।

दूसरे के प्लाट अपना बताकर बेच दिए

लाखों की धोखाधड़ी में पांच के खिलाफ केस दर्ज

इंदौर। जमीन के जादूगरों ने दूसरों के प्लाट को अपना बताकर धोखाधड़ी करते हुए उनका बेचने के लिए सौदा कर दिया और लाखों रुपए हड़प लिए। बाद में प्लाट लेने वालों को धोखाधड़ी का पता चला तो पुलिस की शरण लेते हुए पांच लोगों पर केस दर्ज कराया। मामले में लसूडिया पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

पुलिस ने बताया कि बरखा पति पंकज जैन निवासी 32 स्वास्तिक नगर, श्रीमती सीमा पति सुनील जैन निवासी स्वास्तिक नगर और सुनील पिता सुरेन्द्र कुमार जैन ने अपने साथ हुई धोखाधड़ी के संबंध में एक शिकायती आवेदन दिया था, जिसकी जांच के बाद मामले में भेरूलाल पोरवाल पिता रामचन्द्र पोरवाल (76) निवासी ऊषा नगर एक्टेन्सन महालक्ष्मी मंदिर के सामने, राजेन्द्र पुराणिया पिता स्व. कुन्जीलाल पुराणिया (60) साल निवासी स्लाईस 4 सेक्टर डी स्कीम न. 78 अरण्य नगर, राजकुमारी सेठिया पति मनोहरलाल सेठिया निवासी मारोठिया, सुनील कुमार पिता मदनलाल परमार निवासी संगम नगर और सतीश जैन पिता धन्नालाल जैन (68) निवासी 236 स्कीम न. 51 संगमनगर के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार आवेदिका बरखा जैन ,सुनील जैन , सीमा जैन तीनों शिकायत कर्ताओ को हानि पहुंचाने व भूखण्ड बिक्री हेतु प्राप्त किये गये रुपये आरोपियों ने हड़पने हेतु विक्रय अनुबंध किए, जबकि उक्त तीनों भूखण्ड क्र. 1215 बी, 1820,1215 सी स्कीम नं. 114 पार्ट 1 अनाबेदक भैरुलाल पोरवाल के स्वामित्व व आधिपत्य के नहीं थे, उसके वावजूद भेरुलाल पोरवाल द्वारा उक्त तीनों भूखण्डों को सुनील कुमार, राजकुमारी सेठिया को विक्रय कर अवैध लाभ प्राप्त किया गया । इसके बावजूद भेरुलाल पोरवाल द्वारा शिकायतकर्ताओ के साथ धोखाधड़ी कर रुपये प्राप्त कर हड़पने हेतु उक्त तीनो भूखण्डो के विक्रय इकरारनामे तैयार किये जाकर शिकायतकर्ता को विक्रय कर अवैध लाभ कुल रुपये 23,20,000 प्राप्त किया गया। मामले में जांच के बाद पांचों पर केस दर्ज कर उनकी तलाश की जा रही है।

किराए पर लिया कैमरा हड़पा

इंदौर। किराए पर चलाने के लिए लिया कैमरा आरोपी ने हड़प लिया। जब उसे कैमरा देने वाले ने अपना कैमरा मांगा तो देने से इनकार कर दिया। मामला लसूडिया थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने बताया कि नितिन सिंघल पिता मुकेश सिंघल निवासी मालवीय नगर ने दर्ज कराई रिपोर्ट में जानकारी दी कि उसने सौरल गंगवाल उर्फ शानू निवासी पंचम की फैल को निकॉन कंपनी का डिजीटल कैमरा किराए पर दिया था। तय समय बाद भी जब उसने कैमरा नहीं लौटाया तो उससे किराया और कैमरा वापस मांगा, जो उसने नहीं दिया। मामले में पुलिस ने जांच के बाद सौरभ पर अमानत में खयानत का केस दर्ज किया है।

गेहूं के नाम पर की धोखाधड़ी

इंदौर। फरियादी संजय पिता शैतान मल जैन निवासी सरदारपुर जिला धार की शिकायत पर सुपर मेट ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के अशोक चटर्जी निवासी रेस कोर्स रोड के खिलाफ तुकोगंज पुलिस ने धारा 420 का प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक मामला 7 फरवरी 2017 का है । पुलिस ने बताया कि आरोपी द्वारा फरियादी संजय जैन के साथ गेहूं की खरीदारी के नाम पर लाखों रुपए की धोखाधड़ी की।

ऑनलाइन ठगी

इंदौर। भंवरकुआं थाना क्षेत्र में ऑनलाइन धोखाधड़ी की घटना सामने आई है । पुलिस ने आरोपी मोहसिन दफादार निवासी जिला नादिया पश्चिम बंगाल के खिलाफ धारा 419 420 का प्रकरण दर्ज किया है। आरोपी ने फरियादी के साथ ऑनलाइन धोखाधड़ी की।

शराब के लिए दो को किया घायल

एक का फोड़ा सिर, दूसरे को भी किया लहुलूहान

इंदौर। नशेड़ी बदमाशों ने दो युवकों का रास्ता रोक लिया और शराब पीने के लिए रुपए मांगे, जब दोनों ने रुपए नहीं दिए तो एक के सिर पर ईंट दे मारी और दूसरे पर नुकीली वस्तु से हमला कर लहुलुहान कर दिया। दोनों घायल कर बदमाश जान से मारने की धमकी देकर भाग निकले।

मल्हारगंज पुलिस ने बताया कि घटना साल्वी मोहल्ला में भेरू बाबा मंदिर के पास कल रात की है। राज पिता राधेश्याम मालवीय (18) निवासी इंदिरा नगर की रिपोर्ट पर आनंद पिता तेजू बेतेड़ा, संदीप पिता प्रकाश बेतेड़ा दोनों निवासी इंदिरा नगर के खिलाफ केस दर्ज किया है। राज ने पुलिस को बताया कि आनंद बेतेडा और संदीप बेतेडा ने मेरा और मेरे दोस्त रवि का रास्ता रोक लिया। उसके बाद संदीप और आनंद मुझसे और मेरे दोस्त रवि से शराब के नशे के लिये 1000 रुपये मांगने लगे जब हमने रुपये देने से मना किया तो आनंद और संदीप हमें अश्लील गालियां देने लगा जो मुझे सुनने में बुरी लगी तो मैंने आनंद और संदीप को गालियां देने से मना किया। इस पर आनंद ने रास्ते पर पडी ईंट उठाकर मेरे सिर पर मार दी, जिससे मेरे सिर में चोट आकर खून निकलने लगा तभी संदीप ने एक नुकीली वस्तु मेरे दोस्त रवि की पीठ पर मारी, जिससे घायल हो गया। आनंद और संदीप ने मुझे और मेरे दोस्त को हाथ मुक्कों से भी मारा । बचने के लिए हमने शोर मचाया तो दोनों जाते जाते हमसे बोले कि रुपये देने में आनाकानी की तो दोनो को जान से खत्म कर देंगे। पुलिस केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही है।

सही नाम बताने पर किया घायल

इंदौर। एमआईजी पुलिस ने रवि पिता सुरेश खांडे निवासी नया बसेरा छोटी खजरानी की रिपोर्ट पर इसी क्षेत्र में रहने वाले राजेश पर केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक राजेश रासते में मिला और फरियादी से पूछा कि तेरा नाम रवि पिपल्दे है क्या उसने मना किया और कहा मेरा नाम रवि पिपल्दे नहीं है मेरा नाम रवि खाण्डे है। इसी बात को लेकर राजेश गालियां देने लगा। गालियां देने से मना किया तो वहां पर पड़ी पत्थर की फर्सी से मुझे सिर मैं पीछे की तरफ मार दी जिससे चोंट लगकर खुन निकलने लगा। वहां से जाते राजेश जाते बोला कि आज तो तु बच गया आईन्दा तुने अपना सही नाम नहीं बताया तो तुझे जान से खत्म कर दूंगा।

शादी का झांसा देकर विवाहिता से दुष्कर्म

इंदौर। अपने पति से विवाद के चलते अलग रह रही महिला को उसके पड़ोसी ने अपने झूठे प्रेमजाल में फांस लिया और शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म करता रहा। बाद में जब पीड़िता ने शादी के लिए कहा तो इनकार कर दिया और उसे धमकाया। मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है। चंदन नगर पुलिस ने बताया कि थाना क्षेत्र में रहने वाली 32 वर्षीय महिला ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि पति से घरेलू विवाद के चलते वहां उससे अलग रह रही थी। तभी पड़ोस में रहने वाले रफीक से उसकी दोस्ती हो गई । रफीक ने शादी का झांसा देकर उसे कई स्थानों पर ले गया और उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए । पीड़िता ने शादी के लिए दबाव बनाया तो रफीक ने शादी करने से इंकार कर दिया और उसके साथ मारपीट की एवं जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गया।

इस तरह नारायण बाबू बने भारतीय संसदीय इतिहास में हिंदी के प्रथम वक्ता

भारतीय संसदीय इतिहास में नारायण बाबू हिंदी के प्रथम वक्ता बने थे। इसके लिए उन्होंने अंग्रेजों के नियमों को पूरी तरह रौंद डाला और दुनिया देखती रह गई। इस लेख के माध्यम से जानते हैं अंग्रोंजे के शासनकाल में आखिर इस देश की संसद में हिंदी बोलना कितना मुश्किल काम था।

बात उन दिनों की है जब अंग्रेजों की असेंबली में कार्यवाही अंग्रेजी भाषा में ही चलती थी। सदस्यों को भारतीय भाषा में बोलने की मनाही थी। सन 1926 में जब सेंट्रल लेजिस्लेटिव असेंबली का चुनाव हुआ तो नारायण प्रसाद सिंह सारण-दरभंगा के गैर मुस्लिम निर्वाचन क्षेत्र से स्वराज्य पार्टी के उम्मीदवार बने और भारी मतों से विजयी हुए। नारायण बाबू गांधीजी के नेतृत्व में चल रहे राष्ट्रीय स्वतंत्रा संग्राम के नेता थे। वह लोकमान्य तिलक से भी बहुत प्रभावित थे। हिंदी भाषा के प्रति उनका विशेष प्रेम था।

उन दिनों सरदार वल्लभ भाई पटेल के बड़े भाई विट्ठलभाई पटेल असेंबली के अध्यक्ष थे। नारायण बाबू ने पब्लिक सेफ्टी बिल पर हिंदी में बोलने के लिए अध्यक्ष से अनुमति मांगी। अध्यक्ष उन्हें बिल पर बोलने की इजाजत देने के लिए तैयार थे, पर हिंदी भाषा में बोलने का उनका आग्रह स्वीकार नहीं कर पा रहे थे। उन्होंने नारायण बाबू को अपने कक्ष में बुलाया और हिंदी में बोलने की जिद छोड़ने के लिए समझाने लगे। रोचक बात यह थी कि समझाने के क्रम में अध्यक्ष पटेल अंग्रेजी में बोल रहे थे और नारायण बाबू उसका जवाब हिंदी में दे रहे थे। इसी बातचीत में पटेल साहब ने पूछा, 'आप मेरी अंग्रेजी में कही बातें कैसे समझ पा रहे हैं?' नारायण बाबू शांत स्वर में बोले, 'जैसे आप मेरी बात को समझ रहे हैं।'

अब पटेल आवेश में आकर बोले, 'आप यहां लड़ने आए हैं या मुझसे बहस करने?' नारायण बाबू ने गंभीर मुद्रा में कहा, 'अध्यक्ष महोदय, आया तो मैं यहां पर काम करने ही, पर आवश्यकता पड़ी तो बहस करने में भी पीछे नहीं हटूंगा।' आखिर अध्यक्ष पटेल ने नारायण बाबू को हिंदी में बोलने की इजाजत दे दी। इसी के साथ नारायण बाबू को भारतीय संसदीय इतिहास में हिंदी का प्रथम वक्ता होने का गौरव प्राप्त हुआ।

नैचुरल फैट बर्नर हैं खाने की ये 7 चीजें, पेट में जाते ही गलाने लगती हैं एक्स्ट्रा चर्बी

अगर आप आलसी हैं और जिम जाने से डरते हैं, तो आपको नीचे बताई चीजों का सेवन शुरू कर देना चाहिए। इनका सही मात्रा और तरीके से सेवन करने से आपको वजन कम करने में मदद मिल सकती है क्या आप वजन बहुत ज्यादा है? क्या आप आलस की वजह से वजन कम करने के लिए जिम जाने या पसीना बहाने से डरते हैं?

अगर हां, तो आपको उन खाद पदार्थों के बारे में जानना जरूरी है, जो नैचुरल फैट बर्नर हैं यानी जिन्हें खाने से एक्स्ट्रा बॉडी खुद कम होता है। सबसे बड़ी बात कि इनके सेवन से किसी तरह का कोई साइड इफेक्ट नहीं है।

अगर सीमित मात्रा में इनका सेवन किया जाए, तो न सिर्फ वजन कम करने बल्कि कई स्वास्थ्य समस्याओं का जोखिम किया जा सकता है। यह फूड बॉडी का मेटाबोलिज्म बढ़ाते हैं और फैट सेल्स को काटने का काम करते हैं। अगर आप तमाम तरह की डाइट लेकर थक चुके हैं और फिर भी आपका वजन कम नहीं हो रहा है, तो आपको इन चीजों को खाना शुरू कर देना चाहिए।

दालचीनी

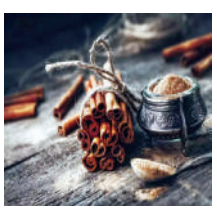

यह मसाला ग्लूकोज को तेजी से कोशिकाओं में ले जाने में मदद करता है जिससे फैट स्टोरेज हार्मोन इंसुलिन बहुत कम लटकता है। यह मसाला ब्लड शुगर और ब्लड प्रेशर को भी कंट्रोल करने का काम करता है।

हल्दी

आपको पुरानी बीमारियों से बचाने के अलावा यह पीला मसाला मानव शरीर में फैट सेल्स को भी बर्न करता है। हल्दी में एंटी इंफ्लेमेटरी और एंटी बैक्टीरियल जैसी कई गुण होते हैं, जो कई बीमारियों से बचाते हैं।

टमाटर का रस

20 दिनों तक 11 औंस टमाटर के रस का सेवन करने से अधिक वजन वाली महिलाओं में सूजन कम हो सकती है। यह एडिपोनेक्टिन नामक प्रोटीन के लेवल को भी बढ़ाता है जो बॉडी फैट को तोड़ने में मदद करता है।

इमली

इमली शरीर में सेरोटोनिन लेवल को कंट्रोल करके आपकी भूख और शरीर की चर्बी दोनों को कम कर सकती है।

केल

दो कप केल में 10 ग्राम फाइबर होता है जो आपके लीवर को डिटॉक्सिफाई करने और आपके शरीर में वसा कोशिकाओं के जन्म को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त है। इनके अलावा चिया सीड्स और अवोकेडो को भी फैट बर्नर के रूप में जाना जाता है।

गलती से भी फलों के साथ न रखें ये 4 सब्जियां, फ्रिज में रहने के बाद भी लगेंगी सड़ने

कई सारे फल और सब्जियां ऐसे होते हैं, जो साथ में रखने पर सड़ने लगते हैं। यदि आपकी सब्जियां फ्रिज में रखने पर भी ताजी नहीं रहती तो कुछ फल इसके लिए जिम्मेदार हो सकते हैं।

फ्रिज तो ठीक है, फिर सब्जियां इतनी जल्दी कैसे खराब हो रही है अगर आपके साथ भी ऐसा कुछ हो रहा है, तो यह जानकारी आपके लिए है। दरअसल, सब्जियों और फलों में अलग-अलग तरह के एंजाइम और केमिकल मौजूद होते हैं। ऐसे में एथिलीन प्रोड्यूस करने वाले फलों के साथ सब्जियों को रखने से यह बहुत जल्दी सड़ने लगती हैं। यहां हम आपको ऐसे सब्जियों और फलों के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें लंबे समय तक ताजा रखने के लिए साथ में स्टोर नहीं करना चाहिए।

इस फल के साथ स्टोर करने से ब्रोकली लगेगी सड़ने

ब्रोकली एथिलीन सेंसिटिव होती है। ऐसे में यदि आप इसे एथिलीन बनाने वाले फलों जैसे सेब, अंजीर, अंगूर के साथ रखते हैं, तो इसकी लाइफ लाइन 50 प्रतिशत तक कम हो जाती है। जिससे फ्रिज में रखने के बाद भी यह 2-3 दिन से ज्यादा फ्रेश नहीं रह पाती है।

पत्तेदार सब्जियों को ताजा रखने के लिए इन फलों से रखें दूर

पत्तेदार सब्जियों को ताजा रखने के लिए बहुत सावधानी बरतनी पड़ती है। क्योंकि यह एथिलीन सेंसिटिव होते हैं, इसलिए इसे फलों तरबूज, अंगूर, सेब जैसे एथिलीन वाले फलों के साथ रखने से बचना चाहिए।

लौकी को रखें इन फलों से अलग

लौकी भी एथिलीन सेंसिटिव सब्जियों में से एक है। इसलिए इसे फ्रिज या एक ही डलिया में सेब, अंगूर, अंजीर, नाशपाती जैसे फलों के साथ नहीं रखना चाहिए। क्योंकि यह एथिलीन रिलीज करते हैं।

पत्तागोभी को रखें इन फलों से दूर

पत्तागोभी को फ्रेश रहने के लिए ताजा हवा की जरूरत होती है। साथ ही पत्तागोभीभी एथिलीन सेंसिटिव होती है, इसलिए इसे सेब, खरबूजे, कीवी जैसे एथिलीन बनाने वाले फलों से दूर रखना चाहिए।

WWW.1BIGA.COM
NOW A PIECE OF LAND IS YOUR OWN

PRICE
221/-
SqFt में

Find Your Dream Farm House

8889066688, 9109639404

www.gatewayghar.in

BOOK NOW

BENEFITS:-

NATIONAL HIGHWAY

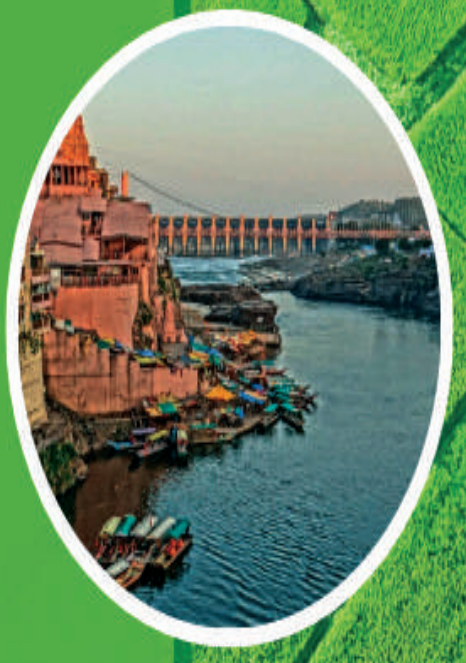

Near omkareshwar

Balvada dem

रोहित शर्मा इंदौर टेस्ट में बदल देंगे अपना जोड़ीदार, प्लेइंग-11 में करेंगे बाहुबली बदलाव!

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 4 मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज का तीसरा मैच इंदौर के होल्कर स्टेडियम में खेला जाना है. कप्तान रोहित शर्मा उस मैच की प्लेइंग-11 में बड़े बदलाव कर सकते हैं. ऐसे खिलाड़ी को भी जगह मिल सकती है जो सीरीज में अभी तक बेंच ही गर्म कर रहा है.

भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना चुकी है. उसने दिल्ली में खेला गया दूसरा टेस्ट मैच 6 विकेट से जीता. 4 मैचों की इस सीरीज का तीसरा मैच इंदौर के होल्कर स्टेडियम में खेला जाना है. कप्तान रोहित शर्मा उस मैच की प्लेइंग-11 में बड़े बदलाव कर सकते हैं. ऐसे खिलाड़ी को भी जगह दी जा सकती है जो अभी तक बेंच ही गर्म कर रहा है.

शुभमन गिल को मिलेगा मौका?

30 साल के ओपनर केएल राहुल का अभी तक सीरीज में बल्ला खामोश रहा है. वह नागपुर टेस्ट मैच में 20 रन बना पाए थे. वहीं, दिल्ली टेस्ट में उन्होंने दो पारियों में कुल 18 (17 और 1) रन ही बना सके. ऐसे में उनकी जगह पर खतरा मंडराने लगा है. उनकी जगह प्लेइंग-11 में युवा बल्लेबाज शुभमन गिल को मौका दिया जा सकता है. गिल को अभी तक सीरीज में एक भी मैच की प्लेइंग-11 में शामिल नहीं किया गया है और वह बेंच पर ही बैठे हैं.

शमी को देंगे आराम?

पेसर मोहम्मद शमी को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए चुनी गई टीम में भी शामिल किया गया है. भारतीय टीम टेस्ट सीरीज में वैसे भी 2-0 की अजेय बढ़त बना चुकी है, ऐसे में कप्तान रोहित इस सीनियर पेसर को एक मैच के लिए आराम दे सकते हैं. पेसर जयदेव उनादकट को उनकी जगह प्लेइंग-11 में शामिल किया जा सकता है. उनादकट को दिल्ली टेस्ट से पहले रिलीज किया गया था और उन्होंने इस दौरान सौराष्ट्र को रणजी ट्रॉफी फाइनल जिताया.

टीम का बदलेगा विकेटकीपर?

सीरीज के शुरुआती दो टेस्ट मैचों के लिए विकेटकीपर की जिम्मेदारी केएस भरत को दी गई थी. उन्होंने विकेटकीपिंग तो अच्छी की लेकिन बल्ले से कोई खास योगदान नहीं दे सके. वह दिल्ली टेस्ट की पहली पारी में महज 6 रन बनाकर पवेलियन लौट गए थे. हालांकि दूसरी पारी में उन्होंने चेतेश्वर पुजारा के साथ अविजित साझेदारी की और नाबाद 23 रन बनाए. ईशान किशन को बतौर विकेटकीपर इंदौर टेस्ट में मौका दिया जा सकता है. ईशान ने अभी तक टेस्ट डेब्यू भी नहीं किया है. उन्होंने 13 वनडे और 27 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं.

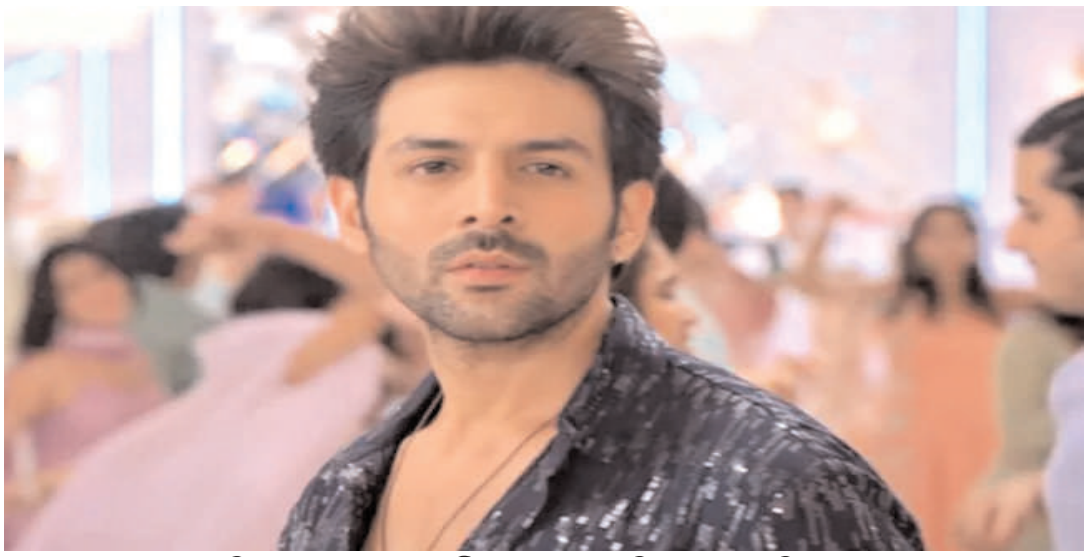

छुट्टी वाले दिन भी नहीं चला कार्तिक आर्यन के शहजादा का जादू, कमाए बस इतने करोड़

कार्तिक आर्यन की फिल्म का जादू बॉक्स ऑफिस पर चल नही पा रहा है. 17 फरवरी को कार्तिक और कृति सेनन की फिल्म रिलीज हुई थी, जो अच्छे-खासे प्रमोशन के बावजूद दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में नाकामयाब हो रही है.कार्तिक आर्यन की फिल्म का जादू बॉक्स ऑफिस पर चल नही पा रहा है. 17 फरवरी को कार्तिक और कृति सेनन की फिल्म रिलीज हुई थी, जो अच्छे-खासे प्रमोशन के बावजूद दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में नाकामयाब हो रही है. फैन्स इस फिल्म का इंतजार लंबे समय से कर रहे थे, लेकिन टिकट खिड़की पर फिल्म को काफी कोल्ड रिस्पांस मिल रहा है. क्या रहा है कार्तिक आर्यन की फिल्म का बॉक्स ऑफिस पर कलेक्शन, आइए एक नजर डालते हैं आंकड़ों पर.

रोहित धवन हैं निर्देशक

फिल्म शहजादा के निर्देशक रोहित धवन हैं, जिन्होंने देसी बॉयज और ढिशूम जैसी फिल्में बनाई है. बात करें शहजादा के कमाई की तो फिल्म ने पहले दिन 6 करोड़ का बिजनेस किया था. उम्मीद की जा रही थी कि दूसरे दिन फिल्म का कलेक्शन अच्छा होगा, लेकिन शनिवार को भी फिल्म ने महज 6.65 करोड़ रुपए ही बटोरे. वहीं अब तीसरे दिन का कलेक्शन भी सामने आ गया है. शुरूआती आंकड़ों की मानें तो तीसरे दिन यानी रविवार को कार्तिक आर्यन की फिल्म ने 7.30 करोड़ रुपए का कारोबार किया.

कितना हुआ टोटल कलेक्शन?

फिल्म रविवार का भी फायदा उठा नहीं पाई. इसी के साथ फिल्म का कुल कलेक्शन अब 19.95 करोड़ हो गया है. कार्तिक आर्यन की फिल्म शहजादा उनकी लास्ट रिलीज भूल भुलैया से काफी पीछे चल रही है. उनकी पिछली फिल्म ने अब तक बॉक्स ऑफिस पर 55.96 करोड़ का बिजनेस कर लिया था. शहजादा में कार्तिक और कृति के अलावा परेश रावल भी मुख्य भूमिका में हैं.

अक्षय कुमार के बॉडीगार्ड ने फैन को दिया धक्का, खिलाड़ी को अच्छी नहीं लगी ये बात, लगाया फैन को गले

एक्टर अक्षय कुमार का इंटरनेट पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में एक्टर के बॉडीगार्ड ने फैन को बुरी तरह धक्का दे दिया जिसके बाद वह जमीन पर गिर पड़ा। इस दौरान अक्षय कुमार ने अपने गार्ड्स को रोका और फैन को गले लगा लिया।

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार की दरियादिली के बारे में तो सभी जानते हैं। साथ ही वह अपने फैंस के लिए काफी केयरिंग हैं ये भी वह कई बार साबित कर चुके हैं। एक बार फिर उनका ऐसा वीडियो सामने आया है जिसे देख आप भी कहेंगे कि खिलाड़ी अच्छे एक्टर ही नहीं नेक दिल इंसान भी हैं। जी हां, सोशल मीडिया पर उनका एक वीडियो वायरल हो रहा है जहां बॉडीगार्ड ने एक फैन को खदेड़ दिया मगर एक्टर ने उस फैन को बुलाया और गले लगा लिया। अब एक्टर की तारीफ सोशल मीडिया पर हो रही है।

रणजीत टाइम्स
साप्ताहिक अखबार

मदिरा को हतोत्साहित करने, लिये महत्वपूर्ण निर्णय

राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 परिशिष्ट-1 संशोधन को मंजूरी

कृषकों, पशुपालकों, बुनकरों, नाविकों, मछुआरों और घायल व्यक्ति को दी जाने वाली राहत राशि में वृद्धि

8,171 कि.मी. सड़कों का कायाकल्प करने के लिए 4,160 करोड़ रूपये की अतिरिक्त स्वीकृति

मुख्यमंत्री श्री चौहान की अध्यक्षता में हुई मंत्रि-परिषद की बैठक

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषदनेप्रदेश में शराब को हतोत्साहित करने के लिये कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये हैं। प्रदेश में शराब के सभी अहाते और शॉप बार बंद किए जाएंगे। मदिरा दुकानों में बैठ कर मदिरा पीने की अनुमति नहीं होगी। शराब की दुकान के लिये शैक्षणिक और धार्मिक संस्थानों के आसपास के 50 मीटर के दायरे को बढ़ाकर 100 मीटर किया जायेगा। साथ ही शराब पीकर वाहन चलाने वालों के ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित करने एवं सजा के प्रावधान कड़े किए जाएंगे।

बाढ़ एवं तूफान से प्रभावित मछुआरों को दी जाने वाली सहायता

नाव की आंशिक क्षति होने पर मरम्मत के लिए 4 हजार 100 रूपये के स्थान पर 6 हजार दिया जायेगा। जाल या अन्य उपकरणों की मरम्मत के लिये 2 हजार 100 रूपए के स्थान पर 3 हजार रूपए दिया जायेगा। नाव नष्ट होने पर रु. 12 हजार रूपए के स्थान पर 15 हजार रूपए दिया जायेगा। इसी तरह नैसर्गिक आपदा यथा सूखा, अतिवृष्टि, बाढ़, भूस्खलन, भूकम्प आदि से मछली पालने वालों को मछली बीज नष्ट होने पर प्रभावित को 8 हजार 200 रूपए के स्थान पर 10 हजार रूपए प्रति हेक्टेयर दिया जाएगा।

राहत राशि में वृद्धि

मंत्रि-परिषद ने राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 परिशिष्ट-1 में संशोधन करते हुए राहत राशि में वृद्धि करने का निर्णय लिया है। निर्णय अनुसार शरीर के किसी अंग अथवा आंख/आंखों की हानि के लिए 40% और 60% के बीच अपंगता होने पर 59 हजार 100 रुपए के स्थान पर 74 हजार रुपए प्रति व्यक्ति तथा 60त्न से अधिक अपंगता होने पर 2 लाख रुपए के स्थान पर 2 लाख 50 हजार रुपए दिया जायेगा। इसी तरह गंभीर रूप से घायल, जो एक सप्ताह से अधिक दिनों तक अस्पताल में भर्ती रहने पर 12 हजार 700 रुपए के स्थान पर 16 हजार रुपए प्रति व्यक्ति तथा एक सप्ताह से कम अवधि के लिए अस्पताल में भर्ती होने पर 4 हजार 300 रुपए के स्थान पर 5 हजार 400 रूपए प्रति व्यक्ति दिया जायेगा।

बाढ़ की स्थिति में भूमि और अन्य नुकसान के लिए सहायता

कृषि योग्य भूमि वाले खेतों में रेत या पत्थर (3 इंच से अधिक) आ जाने पर पहाड़ी क्षेत्रों में कृषि योग्य भूमि पर मलबा हटाने के लिये, फिश फार्म में डिसेल्टिंग या पुनस्थापन अथवा मरम्मत सफाई के लिये राहत 12 हजार 200 रूपए के स्थान पर 18 हजार रुपए प्रति हैक्टेयर दिया जायेगा। इसी तरह भूस्खलन, हिमस्खलन, नदियों के रास्ता बदलने के कारण सीमांत या लघु कृषक के भूमि स्वामित्व की भूमि के नष्ट होने पर राहत 37 हजार 500 रुपए के स्थान पर 47 हजार रुपए प्रति हेक्टेयर दिया जायेगा।

बुनकरों/हस्तशिल्पियों को दी जाने वाली सहायता

नैसर्गिक आपदा से प्रभावित बुनकर / परम्परागत शिल्प के क्षेत्र में काम करने वाले हस्त शिल्पी को उनके उपकरण / औजार और उनके द्वारा तैयार माल अथवा कच्चे माल के क्षतिग्रस्त होने पर कच्चे माल या धागा और अन्य तत्संबंधी रंग, रसायन आदि क्रय करने पर प्रति बुनकर / शिल्पी हेतु राहत राशि अधिकतम 4 हजार 100 रूपए के स्थान पर 5 हजार रूपए प्रति शिल्पकार दिया जाएगा।

पशु-पक्षी (मुर्गा/मुर्गी) हानि के लिये आर्थिक सहायता

दुधारू पशु गाय/भैंस/ऊँट आदि के लिए राहत राशि 30 हजार प्रति पशु के स्थान पर 37 हजार 500 रूपए एवं भेड बकरी/ सूअर के लिए राहत 3 हजार रूपये के स्थान पर 4 हजार रूपए दिया जायेगा। गैर-दुधारू पशु ऊँट/घोडा/बैल/भैंसा आदि के लिए राहत राशि 25 हजार रूपये प्रति पशु के स्थान पर 32 हजार रुपए प्रति पशु किया जायेगा एवं बछडा (गाय, भैंस)/ गधा /पोनी/ खच्चर हेतु राहत 16 हजार रूपए प्रति पशु के स्थान पर 20 हजार रूपए दिया जायेगा। अस्थायी पशु शिविर में रखे गये बड़े पशुओं के लिए 70 रूपये पशु प्रतिदिवस के स्थान पर 80 रूपए एवं छोटे पशुओं के 35 रूपए प्रति पशु प्रति दिवस के स्थान पर 45 रूपए दिया जायेगा। इसी तरह पक्षी (मुर्गी/ मुर्गा) हानि के लिये 60 रूपए (10 सप्ताह से अधिक आयु के) प्रति पक्षी के स्थान पर 100 रुपए प्रति पक्षी दिया जायेगा।

नष्ट हुए मकानों के लिये आर्थिक अनुदान सहायता

मंत्रि-परिषद ने पूर्ण नष्ट (मरम्मत योग्य नहीं) और गम्भीर रूप से क्षतिग्रस्त (जहां क्षति 50 प्रतिशत से अधिक हो) पक्के / कच्चे मकान के लिए वास्तविक क्षति के आंकलन के आधार पर राहत राशि अधिकतम 95 हजार 100 रुपए के स्थान पर मैदानी इलाकों में 1 लाख 20 हजार एवं पहाड़ी क्षेत्रों में 1 लाख 30 हजार रुपए दी जायेगी। झुग्गी झोपड़ी (झुग्गी/झोपड़ी से तात्पर्य है कच्चे घर से निम्नतर फूस मिट्टी प्लास्टिक सीट आदि से निर्मित घर) पूर्ण नष्ट होने पर राहत राशि 6 हजार के स्थान पर 8 हजार रुपए दी जायेगी। इसी तरह आशिक क्षतिग्रस्त (जहां क्षति 15 प्रतिशत से 50 प्रतिशत हो) पक्के मकान के लिए राहत राशि 5 हजार 200 के स्थान पर 6 हजार 500 रुपए एवं कच्चे मकान के लिए 3 हजार 200 के स्थान पर 4 हजार रुपए दी जायेगी। साथ ही मकान से संलग्न पशु घर के लिये राहत राशि 2 हजार 100 के स्थान पर 3 हजार रुपए प्रति पशु घर दी जायेगी।

8,171 कि.मी. सड़कों का कायाकल्प करने के लिए 4,160 करोड़ की अतिरिक्त स्वीकृति

मंत्रि-परिषद ने प्रदेश की लगभग 8,171 कि.मी. सड़कों का कायाकल्प करने के लिए लोक निर्माण विभाग को 4 हज़ार 160 करोड़ रुपए की अतिरिक्त स्वीकृति प्रदान की है। प्रदेश को उच्च गुणवत्ता की सड़कें प्रदान करने के लिए यह निर्णय लिया गया है। इसके लिए लोक निर्माण विभाग को उपलब्ध बैंक ऑफ सैक्शन (सूचकांक पर आधारित) की सीमा में एक मुश्त छूट प्रदान की गई है। साथ ही सड़कों के सुदृढ़ीकरण के लिए 4 हजार 160 करोड़ रुपए की अतिरिक्त प्रशासकीय स्वीकृतियां जारी करने के लिए लोक निर्माण विभाग को अधिकृत भी किया गया है।

नवीन शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय सतना के लिए 1589 नवीन पदों की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद ने नवीन शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, सतना के संचालन हेतु शासकीय सेवा के नियमित स्थापना के 1 हजार 92 पद तथा आउटसोर्स सेवाओं के 497 पद इस प्रकार कुल 1 हजार 589 नवीन पदों की स्वीकृति प्रदान की है। सतना में शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय और अस्पताल के निर्माण से प्रदेश के छात्रों के लिये चिकित्सा क्षेत्र के स्नातक पाठ्यक्रम की अतिरिक्त 150 एम.बी.बी.एस.सीट्स उपलब्ध होगी। इसके साथ ही सतना जिले के साथ-साथ आस-पास की जनता को चिकित्सा सुविधायें उपलब्ध हो सकेगीं।

म.प्र. नगर पालिक विधि (संशोधन) विधेयक 2023 को मंजूरी

मंत्रि-परिषद ने नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 एवं मध्यप्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1961 की कतिपय धाराओं में संशोधन किये जाने के लिए म.प्र. नगर पालिक विधि (संशोधन) विधेयक 2023 को मंजूरी दी है। यह विधेयक विभाग के अंतर्गत प्रशासित अधिनियमों के कतिपय प्रावधानों को डिक्रिमिनालाइज करने के संबंध में लाया जा रहा है।

मध्यप्रदेश नगरीय क्षेत्रों के भूमिहीन व्यक्ति (पट्टाधृति अधिकारों को प्रदाय किया जाना) संशोधन विधेयक 2023 को मंजूरी

मंत्रि-परिषद ने मध्यप्रदेश नगरीय क्षेत्रों के भूमिहीन व्यक्ति (पट्टाधृति अधिकारों का प्रदाय किया जाना) अधिनियम 1984 की धारा 3 एवं धारा 4 में संशोधन करने के लिए मध्यप्रदेश नगरीय क्षेत्रों के भूमिहीन व्यक्ति (पट्टाधृति अधिकारों को प्रदाय किया जाना) संशोधन विधेयक 2023 को मंजूरी दी है। जिससे शहरों में गरीबों की आवास की समस्या के निराकरण के उद्देश्य से मध्यप्रदेश नगरीय क्षेत्रों के भूमिहीन व्यक्ति (पट्टाधृति अधिकारों को प्रदाय किया जाना) अधिनियम 1984 के अंतर्गत गरीबों को आवासीय भूमि के पट्टे देने की पात्रता तिथि में वृद्धि की जाकर कटऑफ तिथि 31 दिसंबर 2014 से 31 दिसंबर 2020 की जा रही है।

लोक परिसंपत्ति का निर्वर्तन

मंत्रि-परिषद ने ऊर्जा विभाग की कटनी में वार्ड नं. 18, खसरा क्र. 1490/1, ब्लॉक 4 गायत्री नगर स्थित भूमि परिसम्पत्ति, कुल रकबा 900 वर्गमीटर, के HI निविदाकार की उच्चतम निविदा राशि एक करोड़ 11 लाख 28 हजार रूपये जो कि रिजर्व मूल्य 52 लाख रुपए का 2.14 गुना है, की संस्तुति करते हुए उसे विक्रय करने एवं ॥-1 निविदाकार द्वारा निविदा राशि का 100% जमा करने के उपरांत अनुबंध/रजिस्ट्री की कार्यवाही जिला कलेक्टर द्वारा किए जाने का निर्णय लिया गया।

मंत्रि-परिषद ने श्योपुर में जल संसाधन विभाग की वार्ड क्र 12, चम्बल कॉलोनी स्थित भूमि परिसम्पत्ति पार्ट क्र. 1 सर्वे क्र- 248/1 250/3 व 252/1 रकबा 2860 वर्गमीटर, के निर्वर्तन हेतु H-I निविदाकार की उच्चतम निविदा राशि 22 करोड़ 44 लाख 80 हजार रुपए जो कि रिजर्व मूल्य राशि रु. 7.36 करोड़ का 3.05 गुना है, की संस्तुति करते हुए उसे विक्रय करने एवं H-I निविदाकार द्वारा निविदा राशि का 100% जमा करने के उपरांत अनुबंध / रजिस्ट्री की कार्यवाही जिला कलेक्टर द्वारा किए जाने का निर्णय लिया गया।

मंत्रि-परिषद ने भोपाल में राजस्व विभाग की एम.पी. नगर, डी.बी. मॉल के सामने, प्लॉट क्रमांक - A स्थित भूमि परिसम्पत्ति कुल रकबा 5000 वर्गमीटर, के H-1 निविदाकार की उच्चतम निविदा राशि 73 करोड़ 83 लाख 63 हजार 63 रुपये जो कि रिजर्व मूल्य राशि 63 करोड़ 60 लाख का 1.16 गुना है, की संस्तुति करते हुए उसे विक्रय करने एवं H-1 निविदाकार द्वारा निविदा राशि का 100% जमा करने के उपरांत अनुबंध / रजिस्ट्री की कार्यवाही जिला कलेक्टर द्वारा की जाए का निर्णय लिया गया।

मंत्रि-परिषद ने ग्वालियर में राजस्व विभाग की वार्ड क्र 14, सर्वे नं 537/3 डबरा बस स्टैन्ड भूमि का शेष भाग, डबरा स्थित भूमि परिसम्पत्ति, कुल रकबा 467.80 वर्गमीटर के निर्वर्तन हेतु H-I निविदाकार की उच्चतम निविदा राशि 3 करोड़ 83 लाख 85 हजार रुपए जो कि रिजर्व मूल्य राशि 90 लाख का 4.26 गुना है, की संस्तुति करते हुए उसे विक्रय करने एवं H-I निविदाकार द्वारा निविदा राशि का 100% जमा करने के उपरांत अनुबंध / रजिस्ट्री की कार्यवाही जिला कलेक्टर द्वारा की जाए का निर्णय लिया।

ग्वालियर में नवीन तहसील ग्वालियर ग्रामीण के सृजन को मंजूरी

मंत्रि-परिषद ने ग्वालियर में नवीन तहसील ग्वालियर ग्रामीण के सृजन को मंजूरी दी है। साथ ही नवीन तहसील के लिए एक तहसीलदार, एक नायब तहसीलदार, एक सहायक ग्रेड-2 (प्रवाचक), दो सहायक ग्रेड-3, 3 भृत्य इस प्रकार कुल 8 पद की स्वीकृति दी हैं।

मंत्रि-परिषद ने पन्ना में परिवहन विभाग की वार्ड क्र. 11, खसरा क्रमांक 665, 666, 667, 668/2 स्थित पन्ना बस डिपो परिसम्पत्ति, कुल रकबा 9990 वर्गमीटर के निर्वर्तन हेतु ॥-1 निविदाकार की उच्चतम निविदा राशि 6 करोड़ 35 लाख 39 हजार रुपए का अनुमोदन एवं निविदाकार द्वारा निविदा बोली मूल्य का 100त्न जमा करने के उपरांत परिसम्पत्ति के निर्वर्तन हेतु अनुबंध / रजिस्ट्री के निष्पादन की कार्यवाही जिला कलेक्टर द्वारा की जाए जाने का निर्णय लिया।

बजरबट्टू यानी... पहाड़ी गधा !

टैम्पो पर खड़ा करके लाए थे पहली बार कैलाश विजयवर्गीय को

इदौर (मनोष यादव) । आपको पता है बजरबट्टू क्या होता है....? बजरबट्टू यानी पहाड़ी गधा, जो बहुत मेहनत करता है...। ऐसी मेहनत करने वाली बजरबट्टू की टीम भी है, जिसने अपनी पहली बैठक की। कोरोना काल के बाद अब देश का सबसे बड़ा कवि सम्मेलन बजरबट्टू 11 मार्च को होगा। इसमें भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय इस बार क्या बनेंगे, ये बताने वाले को लाखों का ईनाम भी मिलेगा।

पूरी टीम ही इसकी आयोजक

बजरबट्टू कवि सम्मेलन प्रसिद्ध तो बहुत हो चुका है, लेकिन बहुत कम को पता होगा कि इसकी शुरूआत कैसे हुई थी। शुरूआत की बात करें तो केवल चार तखत और दो-तीन कवि से बजरबट्टू कवि सम्मेलन शुरू हुआ। इसे करवाने वाली टीम भी बरसों पुरानी है। पच्चीस बरस हो गए इस टीम को ये आयोजन करवाते हुए, लेकिन पूरी टीम मजबूती से एक साथ है। इसमें खास बात ये है कि बजरबट्टू की पूरी टीम ही इसकी आयोजक है। बजरबट्टू की जो टीम है, जैसा इसका जैसा नाम है, वैसा ही इसका काम भी है। बजरबट्टू पहाड़ी गधे को बोलते हैं, जो बहुत मेहनत करता है। इसकी टीम के लोग हंसते हुए बताते हैं कि हमारी टीम में सभी बजरबट्टू ही है। सालों पुरानी यारी को आज तक वैसी ही है। सभी को अपनी जवाबदारी पता है कि किसे क्या करना है, सब अपनी जवाबदारी पूरी ईमानदारी से निभाते हैं, इसलिए आज बजरबट्टू देश में नाम कमा चुका है।

बेसब्री से लोगों को है इंतजार

इसका मुख्य उद्देश्य गैर राजनीतिक है। इसका उद्देश्य केवल संस्कृति को जिंदा रखना है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय को पहली बार इस आयोजन में टैम्पो पर खड़ा करके लाए थे। टैम्पो पर कैलाश जी खड़े थे और नीचे सभी ढोल-नगाड़ों के साथ मंच तक लेकर पहुंचे थे। धीरे-धीरे इस आयोजन ने इतना भव्य रूप ले लिया कि लोगों को इसका बेसब्री से इंतजार रहता है।

कैलाश जी क्या बनेंगे, बताने वाले को ईनाम

रंगपंचमी के एक दिन पहले 11 मार्च शनिवार को बजरबट्टू हास्य कवि सम्मेलन होगा। यह सम्मेलन पूरे देश में प्रसिद्ध हो चुका है। इसमें भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय हमेशा नए रूप में दिखाई देते हैं, कभी वो भगवान शंकर, कभी विष्णु जादूगर तो कभी शिवाजी बन चुके हैं। पिछले 25 सालों से लगातार इस कवि सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इसमें खास बात ये है कि चार तखत से इसकी शुरूआत हुई थी और अब पूरे देश में इसके चर्चे है। अभी से लोगों के लिए पहली है कि कैलाश जी इस बार क्या बनेंगे क्योंकि इसका सही जवाब देने वाले को लाखों का ईनाम मिलेगा। पहली बार इसमें कैलाश जी को टैम्पो पर खड़ा करके शोभायात्रा के रूप में लाया गया था। इसकी पूरी टीम सक्रिय हो चुकी है और पहली की। खास बात ये है कि इसका आयोजक कोई एक नहीं, बल्कि सभी बजरबट्टू है, जो बहुत मेहनत करते हैं।

सेंट पॉल इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज में सेमिनार

इंदौर। नॉनटेक्निकल लोग यानी वे जिन्होंने इंजीनियरिंग की पढ़ाई नहीं की है, उनका सब्जेक्ट और कुछ है, वह भी आईटी कंपनियों में जॉब्स पा सकते हैं। उनके लिए भी आईटी कंपनियों में रोजगार के अवसर होते हैं। यह बात छात्र छात्राओं को समझाई गई। सेंट पॉल इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज कॉलेज के सेमिनार में....।

सेंट पॉल इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज में मूविंग फ्रॉम नॉन आईटी टू आईटी विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में आरडब्लूएस टेक्नोलॉजीस के सीनियर एचआर मैनेजर श्री यशपाल सिंह परिहार ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। छात्र-छात्राओं को बताया गया कि नॉन टेक्निकल लोगों के लिए भी आईटी कम्पनियों में जॉब्स और रोजगार के कई अवसर होते हैं। सेंट पॉल इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज शिक्षा और संस्कार के मामले में शहर का नम्बर वन कॉलेज है। यहां शिक्षा के साथ में कई ऐसे इवेंट होते रहते हैं, जिससे स्टूडेंट को जीवन में आगे बढ़ने के लिए गाइडेंस मिलता है। ऐसा ही एक आयोजन सोमवार को हुआ। कॉलेज में आरडब्ल्यूएस टेक्नोलॉजीस के सीनियर एचआर मैनेजर श्री यशपाल सिंह परिहार ने करियर गाइडेंस दी। सेमिनार में स्टूडेंट्स को बताया कि आईटी कंपनियों में अकाउंट, मार्केटिंग, एचआर, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट सहित अन्य जॉब्स होते हैं, जिनमें नॉन टेक्निकल लोग काम करते हैं। इंजीनियरिंग किये बिना भी आईटी कंपनी में जॉब्स के अवसर है। स्टूडेंट्स को बहुत अच्छे से यशपाल सिंह परिहार ने समझाया। स्टूडेंट्स ने प्रश्न भी पूछे, जिनकी सभी जिज्ञासाओ को परिहार जी ने शांत किया। कॉलेज की प्राचार्य डॉक्टर सिस्टर एलिस थॉमस ने सबका स्वागत किया। टीपीओ डॉ प्रवीण यादव एवं प्रोफेसर रेचल पवार ने कार्यक्रम का संचालन किया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन.22 सेक्टर एफ सांवेर रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया ,इंदौर,म.प्र. एवं जी-1,कॉस्मिक रीजेन्सी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर, म.प्र. से प्रकाशित - संपादक गोपाल गावन्डे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र इंदौर रहेगा)